



मंडी

मंडी के बाबा भूतनाथ मंदिर के मंडल में विराजमान भगवान विष्णु की अति प्राचीन मूर्ति, बाबा भूतनाथ के बाद इसके दर्शन करना नहीं भूलते प्रश्नातु।

मंडी के सोहली में विराजमान माता बड़गलामुखी का भव्य और अद्भुत रथ।

मंडी के आराध्य देव श्रीदेव पराशर ऋषि जी महाराज के निशान व छड़ तथा सूरजपत्ना।

मंडी के खमराया पंजाई की आराध्य देवी श्रीदेवी मनसा माता का सुंदर रथ।

मंडी के जानीयोंकी के महादेव घुंजवाला महादेव, जिनसे मंडी दियासती काल में राजा स्वर्यं बात करते थे।



गिरिपर



शिमला



अर्का



संकट मोचन मंदिर...

यह मंदिर हनुमान जी को समर्पित है। इस मंदिर का निर्माण कार्य वर्ष 1966 में पूरा हुआ था। यह भगवान हनुमान को समर्पित एक बहुत परिषद्म मंदिर है। संकट मोचन मंदिर शिमला से लालगढ़ 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। 1950 के दशक के आसपास, बाबा नीब करोसी जी महाराजा ने इस असाधारण स्थान का दौरा किया और उहोंने ध्यान के लिए एक उपर्युक्त स्थान की खोज की। 10 दिनों के प्रवास के बाद, उहोंने इच्छा व्यक्त की कि यहां एक भगवान हनुमान मंदिर का निर्माण किया जाना चाहिए।



सराज



सराज थाटी के ललयाडा स्थित देवता छमाहू के नए रथ की प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर उनके साथ अन्य देवी-देवता।



सिरमौर



मनाली



सोलन

सोलन-1911

मनाली की अधिष्ठात्री देवी माता हिंडिंग के पुत्र घटेकच जी का मनाली के द्वंगी स्थित स्थान।

सन् 1911 में कुछ ऐसा दिखता था सोलन का रेलवे स्टेशन।



ऊना



ऊना के एक कार्यक्रम में स्थानीय स्फुरणी छात्राएं नाटी प्रस्तुत करती हुईं।



ऊना के बंगाणा में प्राचीन जमाटाली देवी माता मंदिर का प्रमुख द्वार कुछ ऐसे दिखता है।

ऊना के स्कूलों में नन्हे बच्चों का फैंसी डेस का खेल दैर रहा है।

